Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the issue of checking of 'prasad' carried by pilgrims from Kartarpur Sahib Corridor by sniffer dog.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): अध्यक्ष जी, धन्यवाद । हम आपसे छोटे हैं इसलिए 'माननीय' कहना, शायद हम जैसे सदस्यों के लिए जरूरी नहीं है । आप चेयर से हमें इज्जत दे रहे हैं, यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है ।

महोदय, मैं सरकार को मुबारकबाद देना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने करतारपुर कोरिडोर गुरु नानक देव जी को चाहने वाले लोगों के लिए खोला है । चूंकि यह धर्म से जुड़ी बातें हैं, इसलिए इनका ध्यान रखना जरूरी है । हमारे बहुत बड़े लीडर परमजीत सिंह सरना जी गृह राज्य मंत्री और होम सैक्रेटरी से बात करके यहां से नगर कीर्तन लेकर गए । गुरु ग्रंथ साहब सोने की पालकी में रखा हुआ था । जब ग्रंथ साहब को बस से उतारा गया, तो सोने की पालकी से ग्रंथ साहब को बाहर निकालना पड़ा । इससे लोगों की धार्मिक आस्था हर्ट हुई है । मंत्री जी इस बात की इन्क्वायरी करे ।

दूसरी बात यह है कि करीब 6 हजार से ज्यादा श्रद्धालु वहां गए । भारत सरकार ने सारे इंतजाम किए, लेकिन जब श्रद्धालु वापस आकर पाकिस्तान की तारीफ करते हैं, तो मन दुखता है । लोग जब करतारपुर से प्रसाद लेकर आते हैं, मिट्टी लेकर आते हैं और अमृत भी लेकर आते हैं । जहां सिक्योरिटी चैक है, वहां डॉग स्क्वायड से प्रसाद को चैक कराया जाता है । हमारे पास सिक्योरिटी चैक करने के बहुत से गैजेट्स हैं । यह बात सही है कि सिक्योरिटी देश के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन प्रसाद को अलग से चैक करने की व्यवस्था होनी चाहिए । यदि प्रसाद को डॉग्स से चैक कराया जाएगा, तो कहीं न कहीं हमारे देश के नाम पर और सिक्योरिटी एजेंसीज के नाम पर लोगों को कहने का मौका मिलेगा कि पाकिस्तान वाले तो बहुत अच्छा कर रहे हैं, लेकिन हमारे देश वाले हमारी ज्यादा चैकिंग करते हैं ।

महोदय, इसके लिए आप आर्डर करें और होम मिनिस्ट्री भी ध्यान में रखे कि डॉग प्रसाद चैक न करें, लेकिन बाकी सारी चैकिंग जरूर होनी चाहिए ।